उत्तर पुस्तिका भाग–1

अक्षरा संस्कृत

पाठ–1 : वर्णमाला

1. (क) अ　　(ख) ब　　(ग) ब
2. (क) परिश्रमः　　(ख) कार्यम्　　(ग) विज्ञानम्
3. (क) म् + इ + त् + र् + अ + म्
   (ख) ग् + अ + ण् + ए + श् + अः
   (ग) भ् + आ + व् + अ + न् + आ
4. स्वर – इ, आ, ए, उ, ओ, ऋ
   व्यंजन – प्, ट्, ख्, ड्, म्, ध्, च्, फ्, क्, ह्

पाठ–2 : केन/कथम्

1. (क) कलमेन　　(ख) मित्रेण्　　(ग) घ्राणेन　　(घ) पादैः
2. (क) पादाभ्याम्　　(ख) घ्राणेन　　(ग) ध्यानेन　　(घ) दण्डेन
3. (ख) अश्वाः पादैः तीव्रं धावन्ति।
   (ग) वयम् ध्यानेन पठामः।
   (घ) यूयम् कन्दुकेन क्रीडथ।
4. (क) सा ध्यानेन लिखति।　　(ख) गजः पादैः चलति।
   (ग) वयम् घ्राणेन जिघ्रामः।　　(घ) पिता पुत्रेण सह गच्छति।

पाठ–3 : कस्मै/किमर्थम्

1. (क) भ्रमणाय　　(ख) स्नानाय　　(ग) पुत्राय　　(घ) पठनाय
2. वयम् पठनाय विद्यालयम् गच्छामः।
   वयम् क्रीडायै क्रीडाक्षेत्रम् गच्छामः।
   वयम् भोजनाय भोजनकक्षं गच्छामः।
   वयम् भ्रमणाय उद्यानं गच्छामः।
3. (क) वर्षाथै　　(ख) प्रकाशाय　　(ग) भिक्षुकाय　　(घ) पुत्राय
4. (क) कस्मै नमः?
   (ख) बालिका किमर्थम् देवालयं गच्छति?
   (ग) वृक्षा किमर्थम् फलन्ति?
   (घ) पिता कस्मै कन्दुकम् आनयति?
5. (क) देवाय नमः।　　(ख) माता पुत्राय दुग्धं आनयति।
   (ग) नृपः निर्धनाय भोजनं यच्छति।　　(घ) ते तरणाय गच्छन्ति।

पाठ-4 : कस्मात्/कुतः

1. (क) कूपात् (ख) पर्वतात् (ग) सिंहात् (घ) गृहात्
   (ङ) वृक्षात्
2. (क) अवतरति (ख) निर्गच्छति (ग) गच्छति (घ) आनयति
3. (क) ते कन्दुकेन क्रीडन्ति। (ख) मालाकारे उद्यानात् आगच्छतः।
   (ग) कृषकाः क्षेत्रात् आगच्छन्ति। (घ) नरः कार्यालयं गच्छति।
4. (क) कन्या कूपात् जलम् आनयति। (ख) बालकः सिंहात् बिभेति।
   (ग) फलानि वृक्षात् पतन्ति। (घ) कृषकाः क्षेत्रात् पतन्ति।
5. (क) बालकः वानरात् विभेति। (ख) पितामहः उद्यानात् आगच्छति।
   (ग) माता पुत्राय कलमम् यच्छति। (घ) छात्रः विद्यालायात् आगच्छति।

पाठ-5 : कस्य/तस्य

1. (क) मम (ख) दशरथस्य (ग) रामस्य (घ) तव
   (ङ) जनकस्य
2. (क) मम, तव (ग) कुत्र (घ) उद्यानस्य
   (ङ) भ्रमणाय (च) उद्यानम्
3. (क) मित्रस्य (ख) रामस्य (ग) कस्य
   (घ) भारतस्य (ङ) श्रीकृष्णस्य
4. (क) विद्यालस्य प्रधानाचार्य आगच्छति। (ख) विद्यालयं समीपे उद्यानं अस्ति।
   (ग) अहम् तस्य गृहं गच्छति। (घ) सः उद्यानस्य मालाकारः अस्ति।
   (ङ) मम पुस्तकं कुत्र अस्ति?

पाठ-6 : कस्मिन/कुत्र

1. (क) तरणताले (ख) क्षेत्रे (ग) विद्यालये
   (घ) उद्याने (ङ) वृक्षे
2. (क) विद्यालये (ख) नीडे (ग) दिल्ली-नगरे (घ) तरणताले
3. (क) सिंहाः – वने
   (ख) कृषकाः – क्षेत्रे
   (ग) मीनाः – तडागे
   (घ) छात्राः – विद्यालये
   (ङ) खगाः – वृक्षे
4. (क) गर्जति (ख) गच्छति (ग) कुर्वन्ति (घ) तरन्ति
5. (क) तव गृहं कुत्र अस्ति? (ख) मीनाः जले तरन्ति।
   (ग) उद्याने पुष्पाणि विकसन्ति। (घ) वने सिंहाः गर्जन्ति।

पाठ-7 : अकारान्त (पुंल्लिंग) शब्दाः

1. (क) ब (ख) अ (ग) ब (घ) ब

2. एकवचनम् – बालकः, हस्तः, चिकित्सकः
   द्विवचनम् – शुकौ, सैनिकौ, मृगौ
   बहुवचनम् – सिंहाः, अश्वाः, पिकाः

3. (क) दो पेड़ (ख) बादल (ग) दो हाथ
   (घ) बहुत से मोर (ङ) दो बंदर (च) बहुत से कुत्ते

4. 1. मृगः – हिरण 2. अश्वः – घोड़ा
   3. खगः – पक्षी 4. मयूरः – मोर
   5. शुकः – तोता 6. कपोतः – कबूतर

पाठ-8 : आकारान्त (स्त्रीलिंग) शब्दाः

1. (क) ब (ख) अ (ग) अ (घ) ब

2. 1. लता, लताः 2. चटके 3. नरः नरौ 4. मालाः 5. देवौ देवाः

3. एकवचनम् – कलिका, नासिका, अम्बा
   द्विवचनम् – चटके, लते, गायिके
   बहुवचनम् – अजाः, मक्षिकाः, घटिकाः

4. शिक्षिका – अध्यापिका माले – दो माला गायिका – गाने वाली
   चटकाः – चार चिड़ियाँ अजा – बकरी कोकिले – दो कोयल

पाठ-9 : नपुंसकलिंग शब्दाः

1. (क) ब (ख) अ (ग) ब

2. 1. कन्दुकम् कन्दुकानि
   2. बालकः बालकौ
   3. माला मालाः
   4. मुखे मुखानि
   5. चक्रम् चक्रे

3. रूप्यकाणि मित्रे चक्रम्
   वायुयानम् गृहम् नक्षत्राणि

4. पुंल्लिंग शब्दाः – शुकः, मेघः, अश्वौ
   स्त्रीलिंग शब्दाः – नासिका, वर्षा, चटके
   नपुंसकलिंग शब्दाः – मुखम्, चित्रम्, पुस्तकानि।

पाठ-10 : सर्वनाम-परिचयः

1. (क) ब (ख) अ (ग) ब
2. (क) ते (ख) एतौ (ग) युवाम्
   (घ) वयम् (ङ) एतत्

पाठ-11 : क्रिया (क) (प्रथमपुरुषः)

1. (क) ब (ख) ब (ग) अ (घ) ब
2. (क) जाते हैं (वे दो) (ख) बैठते हैं (वे सब)
   (ग) चलते हैं (वे सब) (घ) नमस्कार करता है (वह)
   (ङ) बोलते हैं (वे दो)
3. (क) पठन्ति (ख) खादति (ग) नमति (घ) धावति

पाठ-12 : क्रिया (ख) (मध्यम एवं उत्तम पुरुष)

1. (क) ब (ख) अ (ग) ब
2. (क) खाते हो (तुम दो) (ख) जाते हैं (हम सब)
   (ग) करते हो (तुम) (घ) घूमते हैं (हम दो)
   (ङ) देते हैं (हम सब)
3. प्रथमपुरुषः – गच्छति लिखति चलन्ति
   मध्यमपुरुषः – गच्छथः पठसि
   उत्तमपुरुषः – हसामि खादामि भ्रमामः

पाठ-13 : कर्तृकारकम् (प्रथमा विभक्तिः)

1. (क) वे सब पक्षी (ख) वह किसान (ग) ये दो शेर
   (घ) ये सब बालक (ङ) ये सब चक्र
2. (क) पुष्पाणि (ख) यूयम् (ग) आवाम् (घ) अहम्
   (ङ) तौ (च) कृषकः (छ) वयम् (ज) सैनिकाः
3. (क) एषाः (ख) एषः (ग) एतानि (घ) एते
4. एकवचनम् – पत्रम्, लता, सैनिकः
   द्विवचनम् – खगौ, बाले, कोकिले
   बहुवचनम् – चक्राणि, मृगाः, अजाः

पाठ-14 : कर्मकारम् (द्वितीया विभक्तिः)

1. (क) चन्द्रम् (ख) मालाम् (ग) पत्रिकाम् (घ) ग्रामम्
   (ङ) चित्रम् (च) पत्राणि

2. (क) वृषौ (ख) देवालयम् (ग) बालकेन्
(घ) देशम् (ङ) दुग्धं

3. 1. फले 2. पुस्तकम्, पुस्तकानि 3. लेखे, लेखानि
4. माला माले माला: 5. लते, लता:

4. प्रथमा विभक्तिः – नरः, लेखः, सिंहः, महिला, अश्वाः
द्वितिया विभक्तिः – लताम्, चित्रम्, ग्रामम्, खगान्, भोजनम्।

पाठ–15 : करणकारकम् (तृतीया विभक्तिः)

1. (क) ब (ख) ब (ग) अ

2. (क) गेंद से (ख) लोगों के द्वारा
(ग) पक्षियों से (घ) भिखारी को

3. (क) क्रीडनकैः (ख) पादाभ्याम् (ग) मित्रेण

4. (क) पुष्पैः (ख) नेत्राभ्याम् (ग) मित्रेण

पाठ–16 : सम्प्रदानकारकम् (चतुर्थी विभक्तिः)

1. (क) अ (ख) अ (ग) ब
(घ) ब (ङ) ब

2. (क) सर्वस्यै (ख) परोपकारेभ्यः (ग) भ्रमणाय
(घ) याचकेभ्यः (ङ) ज्ञानाय

3. (क) बालकाय (ख) क्रीडनाय (ग) जनेभ्यः
(घ) रमाय (ङ) प्रकाशाय

4. (क) आचार्याय (ख) पुष्पैः (ग) जनेभ्यः
(घ) याचकेभ्यः (ङ) भोजनाय

पाठ–17 : अपादानकारकम् (पञ्चमी विभक्तिः)

1. (क) अ (ख) अ (ग) ब
(घ) अ (ङ) ब

2. (क) अश्वात् (ख) विद्यालयात् (ग) आपणात् (घ) वृक्षात्

3. (क) उदयानात् (ख) उद्यानम् (ग) वृक्षात् (घ) वानरात्

4.

1.	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः	
2.	लतायाः	लताभ्यः	
3.	मित्राभ्याम्	मित्रेभ्यः	
4.	अश्वात्	अश्वाभ्याम्	
5.	कस्मात्	केभ्यः	
6.	कस्याः	काभ्याम्	काभ्यः

पाठ–18 : सम्बन्धकारकम् (पष्ठी विभक्तिः)

1. (क) अ (ख) ब (ग) अ
   (घ) अ (ङ) ब

2. (क) गंगायाः (ख) भारतस्य (ग) काकस्य
   (घ) गृहस्य (ङ) दशरथस्य

3. (क) नृपस्य सेवकः आगच्छति।
   (ख) भारतस्य जनाः वीराः भवन्ति।
   (ग) विद्यालयस्य पुस्तकालयः विशालः अस्ति।
   (घ) इदं विवेकस्य गृहम् अस्ति।
   (ङ) खगानां कूजनं मनोहरं भवति।

4.

1.	देवस्य	देवयोः	देवानाम्
2.	रमायाः	रमयोः	रमाणाम्
3.	खगस्य	खगयोः	खगानाम्
4.	पुष्पस्य	पुष्पयोः	पुष्पाणाम्
5.	नरस्य	नरयोः	नराणाम्

पाठ–19 : अधिकरणम् (सप्तमी विभक्तिः)

1. (क) पञ्जरे (ख) पुष्पेषु (ग) वृक्षे
   (घ) कक्षायाम् (ङ) सरोवरे

2. (क) क्रीडाक्षेत्रे (ख) मीनाः (ग) आश्रमे (घ) न्यायधीशः

3. (क) घटे (ख) तडागे (ग) पादपानाम् (घ) क्रीडाक्षेत्रे

4.

1.	बालके	बालकयोः	बालकेषु
2.	रमायाम्	रमयोः	रमासु
3.	वृक्षे	वृक्षयोः	वृक्षेषु
4.	लतायाम्	लतयोः	लतासु
5.	पुष्पे	पुष्पयोः	पुष्पेषु
6.	कक्षायाम्	कक्षयोः	कक्षाषु

अभ्यास-पत्रम् (अक्षरा–1)

भाग (अ)

1. (क) गच्छथ (ख) लिखसि (ग) भ्रमामः
   (घ) गच्छथः (ङ) तरामि

2. (क) वैदिक (ख) करण (ग) धातु
   (घ) प्रथम (ङ) नपुंसकलिंग

3. (क) तौ (ख) वयम् (ग) आवाम् (घ) सैनिका:
(ङ) अहम् (च) पुष्पाणि

4. (क) धावत: (ख) रक्षन्ति (ग) भ्रमन्ति
(घ) लिखति (ङ) खादाव:

5. (क) छ् + आ + त् + र् + आ + ण् + आ + म्
(ख) म् + अ + क् + ष् + इ + क् + ए
(ग) उ + द् + य् + आ + न् + अ + म्
(घ) प् + इ + त् + आ + म् + अ + ह् + अ:

भाग (ब)

6. (क) खगा: वृक्षे वसन्ति।
(ख) चत्वार: च चत्वार: अष्ट: भवति।
(ग) माता देवालयं गच्छति।
(घ) गज: शनै: चलति।
(ङ) बालका: क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति।

7. (क) खगानाम् (ख) बालकस्य (ग) नृपस्य (घ) दशरथस्य

8. 1. अज्ञान 2. ज्ञानाञ्जन 3. येन 4. तस्मै

9. (क) गंगाया: जलं शीतलं अस्ति।
(ख) सूर्यस्य आतप: चण्ड: भवति।
(ग) मीना: जले तरन्ति।
(घ) लूताया: अष्ट पादा: भवन्ति।
(ङ) पुराणानि अष्टादश सन्ति।

10. (i) ये सब बालक (ii) वे सब पक्षी
(iii) लोगों के द्वारा (iv) गेंद से